

पीठासीन अधिकारी:- पूजा मीना आर.ए.एस

उनवान
मरसिंह पुत्र श्रीमन जाति गूर्जर निवासी देवलेन तहसील टोडाभीम।

(सायल)

बनाम
सिंह पुत्र श्रीमन जाति गूर्जर निवासी देवलेन तहसील टोडाभीम।

(गैरसायल)

प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
उपस्थिति:- श्री रामावतार शर्मा एडवोकट सायला

दिनांक 29.10.2024


निर्णय

सायला द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा का संक्षेप में विवरण इस प्रकार कि ग्राम देवलेन की आराजी ख0न0 1052/2564/0.09, 1096/0.34, 1099/0.33, 1100/0.02, 4/0.13, 501/0.14, 502/0.05, 503/0.09, 504/0.20, 920/0.24, 924/0.15, 925/0.10, 6/0.10, 927/0.11, 928/0.13, 929/2639/0.07 कुल कित्ता 16 कुल रकवा 2.29 है0 में यल बहिस्सा 1/10 का खातेदार काश्तकार दर्ज है बकिया हिस्से का गैरसायल व दावे के तैवादी न0 2 ता 9 अपने-अपने हिस्सेनुसार खातेदार है। वर्णित आराजीयात का बाहमी बटवारा हो 1 है। तथा सायल व गैरसायल व दावे के प्रतिवादी न0 2 ता 9 अपने-अपने हिस्से पर काबिज दखील है। लेकिन कौन किस खसरा नम्बरान पर काबिज है पता नहीं चलता है इसलिये आये न डोल मेढ पर विवाद बना रहता है तथा सयुक्त खातेदारी में रहकर काश्त करना संभव नहीं है। यल द्वारा अपने कुछ हिस्से में कृषि विकासार्थ पाटौर पोश मकानियत बना रखी है।

बॉका दिनांक 15.02.2023 का है कि सायल अपनी हिस्से की आराजी में खडी फसल देखभाल कर रहे थे कि गैरसायल आया तथा आराजी की नाप तौल करने लगे कि हम उक्त आराजी को बेचन रहे है। सायल द्वारा यह कहने पर अगर तुमको उक्त आराजी बेचनी ही है तो तहसील में चलकर बटवारा करा लेते है। इतना सुनते ही गैरसायल नाराज हो गया तथा कहने लगा कि हम ना तो कही जायेगे नाही बटवारा करायेगे तथा तुमको तुम्हारे कब्जे की आराजी से दखल कर आराजी को बेचान करके रहेगे तथा दीगर व्यक्तियों को कब्जा करा कर रहेगे। इस कारण गैरसायल अपनी इस गैर कानूनी कुचेष्टा में कामयाब हो गये तथा सायल को बेदखल कर या तो सायल को अपूर्तनीय क्षति हो जावेगी

प्राईमाफेसी केश सायल के पक्ष में साबित है। सुविधा का संतुलन सायल के पक्ष में है अस्थाई निषेधाज्ञा जारी होने से गैरसायलान को कोई क्षति नहीं है। जबकि अस्थाई निषेधाज्ञा जारी होने से सायलान को अपूर्तनीय क्षति हो जावेगी।

अतः प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा पेश कर निवेदन है कि गैरसायल को ता दावा सला पाबन्द फरमाया जावे कि ग्राम देवलेन की आराजी ख0न0 1052/2564/0.09, 1096/0.34, 1099/0.33, 1100/0.02, 354/0.13, 501/0.14, 502/0.05, 503/0.09, 504/0.20, 920/0.24, 4/0.15, 925/0.10, 926/0.10, 927/0.11, 928/0.13, 929/2639/0.07 कुल कित्ता 16 कुल रकवा 2.29 है0 में सायल के हिस्से व कब्जे काश्त की आराजी में मजाहमत मदाखलत नहीं करे,


(पूजा मीना)



उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन सहायक कलक्टर,
टोडाभीम, जिला-गंगपुर सिटी

उनवान:- अमरावती
 को बेदखल नहीं करे, आराजी को खुर्द बुर्द नहीं करे, मौके व रिकार्ड की यथास्थिति बनाये

1। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर गैरसायलान को जरिये नोटिस तलब किया गया। सायल बावजूद सूचना अनुपस्थित न्यायालय रहने से इनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की गई।


सायला वकील की एक पक्षीय बहस सुनी गई। सायल वकील ने प्रार्थना पत्र में वर्णित श्यों का दोहरान करते हुये कथन किया कि प्रार्थना पत्र में वर्णित ग्राम देवलेन की आराजी किता कुल रकवा 2.29 है 0 में सायल बहिस्सा 1/10 का खातेदार काश्तकार दर्ज है बकिया हिस्से का सायल व दावे के प्रतिवादी न0 2 ता 9 अपने-अपने हिस्सेनुसार खातेदार है। वर्णित आराजीयात 1 बाहमी बटवारा हो रहा है। तथा सायल व गैरसायल व दावे के प्रतिवादी न0 2 ता 9 अपने-अपने हिस्से पर काबिज एवं दखील है। लेकिन कौन किस खसरा नम्बरान पर काबिज है पता ही चलता है इसलिये आये दिन डोल मेढ पर विवाद बना रहता है तथा सयुक्त खातेदारी में रहकर अस्त करना संभव नहीं है। सायल द्वारा अपने कुछ हिस्से में कृषि विकासार्थ पाटौर पोश मकानियत गा रखी है। सायल का प्राईमाफेसी केश बखूबी साबित है तथा सुविधा का संतुलन भी सायल के हा में साबित है। अतः प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा पेश कर निवेदन है कि गैरसायल को ता दावा सला पाबन्द फरमाया जावे कि प्रार्थना पत्र में वर्णित आराजीयात कुल किता 16 कुल रकवा 2.29 0 में सायल के हिस्से व कब्जे काश्त की आराजी में मजाहमत मदाखलत नहीं करे, मौके व रिकार्ड की यथास्थिति बनाये रखे।

सायल वकील की बहस पर मनन किया पत्रावली में शामिल दस्तावेजों का अवलोकन किया। पत्रावली में शामिल ग्राम देवलेन की जमाबन्दी सम्वत 2073-76 में आराजी ख0न0 052/2564/0.09, 1096/0.34, 1099/0.33, 1100/0.02, 354/0.13, 501/0.14, 502/0.05, 03/0.09, 504/0.20, 920/0.24, 924/0.15, 925/0.10, 926/0.10, 927/0.11, 928/0.13, 29/2639/0.07 कुल किता 16 कुल रकवा 2.29 है 0 में सायल अमरसिंह 1/10 हिस्से का तथा गैरसायल धनसिंह 1/10 हिस्से का खातेदार काश्तकार दर्ज रिकार्ड है बकिया हिस्से के मुताबिक जमाबन्दी में दर्ज हिस्सानुसार अन्य सहखातेदार दर्ज रिकार्ड है। सायल वकील द्वारा प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा की आवश्यकता के संबध में कोई दस्तावेज/साक्ष्य पेश नहीं किया जिससे कि अथम दृष्टया प्रकरण सुविधा का संतुलन अपूर्तनीय क्षति की शर्तों की पालना हो सके। अतः अस्थाई निषेधाज्ञा की शर्तों की पालना नहीं होने, तथा गैरसायल सहखातेदार दर्ज रिकार्ड होने से प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है।

आदेश

अतः सायल का प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा स्वीकार योग्य नहीं होने से खारिज किया जाता है।

निर्णय आज दिनांक 29.10.2024 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया।


 (पूजा मीना)

उपखण्ड अधिकारी एवं जजमेनाहायक कलक्टर
 टोडाभीम, जिला-गंगापूर सिटी